प्रकाशन संख्या म.द./101/2025

मत्स्य दर्पण
Matsya Darpan

भा.कृ.अनु.प. – के.मा.शि.सं , मुंबई का न्यूज़लेटर

अंक 30 (1) जनवरी - मार्च 2025

निदेशक की कलम से

भारतीय मात्स्यिकी क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिसका खाद्य सुरक्षा, रोज़गार-सृजन और निर्यात में काफी योगदान है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों ने सामाजिक-आर्थिक कल्याण सुनिश्चित करते हुए सतत मात्स्यिकी एवं जलीय कृषि-विकास तथा अंतर्स्थलीय एवं समुद्री मात्स्यिकी को बढ़ावा दिया है। भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान ने प्रौद्योगिकी विकास में कई नवाचार किए हैं और इस क्षेत्र की सफलता को पूरा करने के लिए मांग-आधारित कार्यक्रम आयोजित किए हैं। संस्थान ने भारत भर के सीमांत क्षेत्रों में जलीय पशु रोग प्रबंधन, समुद्री आहार सुरक्षा, एकीकृत जलीय कृषि, मछली पालन, मत्स्य स्वास्थ्य और आदिवासी समुदायों के लिए आजीविका सुधार जैसे विविध क्षमता-निर्माण कार्यक्रम भी आयोजित किए।

संस्थान ने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम तथा जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए। इसके अलावा मेसर्स एम.एम. फिश सीड कल्टीवेशन प्राइवेट लिमिटेड जैसे हितधारकों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए। इनके अतिरिक्त, संस्थान ने फिश स्वाद 2025 का आयोजन किया, जो पूरे देश भर के मछली-आधारित व्यंजनों की विविधता प्रदर्शित करने का एक कार्यक्रम था, तथा संस्थान का 18वां दीक्षांत समारोह भी भव्य तरीके से आयोजित किया गया। वर्ष 2025 की पहली तिमाही के दौरान, संस्थान ने उच्च स्तरीय पत्रिकाओं में 19 सहकर्मी-समीक्षित शोध पत्र प्रकाशित किए। इन उपलब्धियों की अनुसंधान सलाहकार परिषद द्वारा सराहना की गई। संस्थान का समाचार पत्र, 'मत्स्य दर्पण', में इन योगदानों का उल्लेख किया गया है और यह पाठकों को संस्थान की प्रभावशाली गतिविधियों की जानकारी भी देता है। 'मत्स्य दर्पण' के इस अंक को प्रकाशित करने के लिए मैं सभी सदस्यों को धन्यवाद देता हूँ।

अनुसंधान

विकसित प्रौद्योगिकी

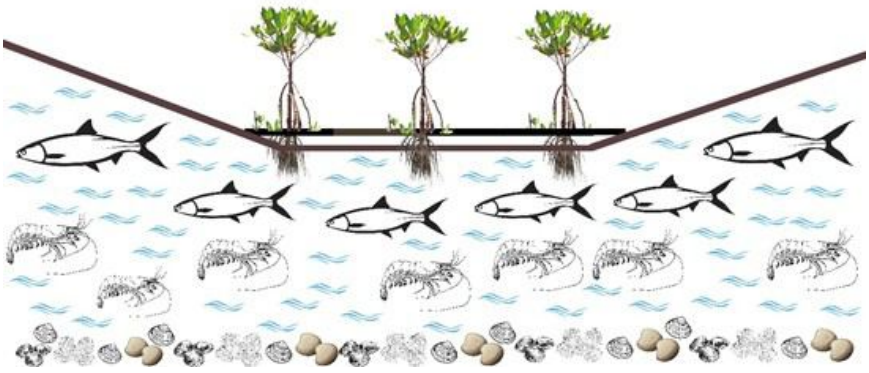

भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान ने खारे पानी के जलकृषि क्षेत्र के विभिन्न हितधारकों के लिए एक **"परिस्थिति-अनुकूल जलकृषि मैंग्रोव आईएमटीए प्रणाली (खारे पानी की सतत जलकृषि हेतु हेलोफाइट एकीकृत बहु-स्तरीय जलकृषि)"** विकसित की है। गहन जलकृषि प्रणालियाँ, विशेष रूप से झींगा पालन, पोषक तत्वों के अविवेकपूर्ण उपयोग और अनुपचारित अपशिष्ट जल-निकासी के कारण पोषक तत्व-प्रदूषण एवं पर्यावरणीय-क्षरण में काफी योगदान देती हैं। ये समस्याएँ सुपोषण, जैव विविधता में कमी और जल की गुणवत्ता में गिरावट का कारण बनती हैं, जिससे जलकृषि पद्धतियों की स्थिरता को खतरा होता है। परिस्थिति-अनुकूल जलकृषि मैंग्रोव आईएमटीए प्रणाली हेलोफाइटों और बाइवाल्वों की प्राकृतिक निस्पंदन क्षमता का लाभ उठाकर जलकृषि के अपशिष्ट जल से कार्बनिक और अकार्बनिक पोषक तत्व निकालती है, जिससे हानिकारक नाइट्रोजन और फास्फोरस का स्तर कम होता है। यह प्रणाली जल की गुणवत्ता में सुधार करती है, पाली जाने वाली प्रजातियों के स्वास्थ्य को बढ़ाती है और पर्यावरणीय दुष्प्रभावों को कम करती है। जैव-फ़िल्टर के रूप में हैलोफाइट: एविसेनिया ऑफ़िसिनैलिस और ब्रुगुएरा जिम्नोरिज़ा, नाइट्रीकरण और विनाइट्रीकरण प्रक्रियाओं को बढ़ावा देते हुए, यूट्रोफिक प्रदूषकों को हटाते हैं। बेहतर उत्पादकता: झींगा और मछली में उच्च उत्तरजीविता दर, विशिष्ट वृद्धि दर और आहार रूपांतरण दक्षता। पर्यावरण-अनुकूलता: पालन प्रक्रिया में अमोनिया, नाइट्राइट, नाइट्रेट और फॉस्फोरस के स्तर में उल्लेखनीय कमी। एकीकृत प्रणाली: पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण और संसाधन-अनुकूलन में पूरक भूमिकाओं के साथ विविध प्रजातियों को जोड़ती है।

भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान ने 18वाँ दीक्षांत समारोह मनाया

भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान ने 8 मार्च 2025 को डिग्री प्रदान करने के लिए अपना 18वाँ दीक्षांत समारोह मनाया। इस दीक्षांत समारोह में, संस्थान के निदेशक और कुलपति, डॉ. रविशंकर सी.एन. ने 91 मास्टर और 51 पीएचडी छात्रों को डिग्री प्रदान की। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन, डेयरी और अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री माननीय श्री जॉर्ज कुरियन समारोह के मुख्य अतिथि थे और विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. जॉयकृष्ण जेना, उप महानिदेशक (मत्स्य विज्ञान), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली और डॉ. प्रोफेसर नज़ीर अहमद गनी, कुलपति, शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, श्रीनगर भी इस अवसर पर उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने भारत भर में 2.8 करोड़ लोगों को रोज़गार देने वाले एक अग्रणी और तेज़ी से बढ़ते क्षेत्र को सहयोग देने में व्यावसायिक मत्स्य पालन शिक्षा की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि के.मा.शि.सं., भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अन्य मात्स्यिकी संस्थानों और कृषि विश्वविद्यालयों को उन्नत तकनीकें विकसित करनी होंगी, जो उद्यमों को बढ़ावा दे सकें। उन्होंने छात्र उद्यमिता को बढ़ावा देने के के.मा.शि.सं. के प्रयासों की सराहना की, जो भारत को एक सेवा-आधारित अर्थव्यवस्था से ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में बदलने और 2047 तक 'विकसित भारत' बनने के सपने को साकार करने में योगदान देगा। उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले और पदक जीतने वाले छात्रों को बधाई दी, और के.मा.शि.सं. से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी प्रतिष्ठा को और अधिक बढ़ाने का आग्रह किया।

फिश स्वाद 3.0 (2025): भारत के समृद्ध मछली-आधारित व्यंजन की प्रदर्शनी

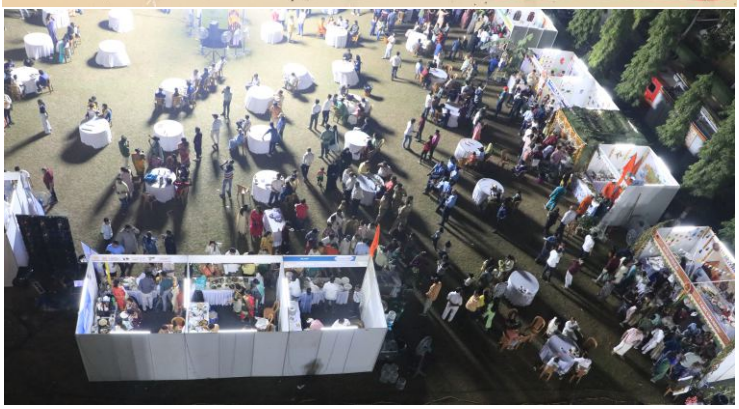

दिनांक 26 जनवरी, 2025 को संस्थान के लॉन में आयोजित फिश स्वाद 2025 कार्यक्रम में लगभग 1,500 उपस्थित लोगों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम देश भर के मछली-आधारित व्यंजनों की विविधता को प्रदर्शित करने एवं स्वाद लेने के लिए आयोजित किया गया था। कई प्रतिष्ठित प्रायोजकों और भागीदारों में प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, भारतीय स्टेट बैंक, राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड, समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण और भारतीय मत्स्य संघ थे। इन संगठनों ने इस आयोजन को सहयोग देने, इसके सुचारू क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने और भारत में मत्स्य पालन क्षेत्र के सतत विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम का उद्घाटन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के उप महानिदेशक (पशु विज्ञान) डॉ. राघवेंद्र भट्ट ने मत्स्य विज्ञान के उप महानिदेशक डॉ. जे.के. जेना और विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड, हैदराबाद के मुख्य कार्यकारी डॉ. बी.के. बेहरा की उपस्थिति में किया।

"जलीय पशु रोग निदान और टीकाकरण में वर्तमान दृष्टिकोण और नई रणनीतियां" पर मत्स्य विज्ञान में उन्नत संकाय प्रशिक्षण केंद्र

भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं., मुंबई के जलीय पर्यावरण और स्वास्थ्य प्रबंधन प्रभाग द्वारा दिनांक 08-28 जनवरी के दौरान मत्स्य विज्ञान में उन्नत संकाय प्रशिक्षण केंद्र (सीएएफटी) के तहत "जलीय पशु रोग निदान और टीकाकरण में वर्तमान दृष्टिकोण और नई रणनीतियां" पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को मछली और शंख रोग निदान और टीकाकरण में प्रगति संबंधी वर्तमान दृष्टिकोण और तकनीकों से परिचित कराने के लिए डिज़ाइन किया गया था। एईएचएम विभाग और के.मा.शि.सं. के संकाय सदस्यों के अतिरिक्त अन्य विशेषज्ञों में प्रोफेसर डॉ. इद्या करुणासागर, प्रोफेसर डॉ. इंद्राणी करुणासागर, निदेशक परियोजनाएं और डीएसटी टीईसी, निट्टे विश्वविद्यालय मैंगलोर, प्रोफेसर डॉ. के.वी. राजेंद्रन, पूर्व अध्यक्ष और प्रधान वैज्ञानिक जलीय पर्यावरण और स्वास्थ्य प्रबंधन प्रभाग, भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं., मुंबई, प्रोफेसर डॉ. ज्योति इरावाने, अध्यक्ष, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, सरकारी मेडिकल कॉलेज, औरंगाबाद, डॉ. एम. शशि शेखर, प्रधन वैज्ञानिक और अध्यक्ष, जलीय पशु स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रभाग, भा.कृ.अनु.प.–के.खा.ज.पा.अनु.सं., चेन्नई, डॉ. प्रियब्रत स्वैन, प्रधान वैज्ञानिक, मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन प्रभाग, भा.कृ.अनु.प.–के.मी.ज.पा.अनु.सं., भुवनेश्वर, डॉ. गौरव राठौर, प्रधान वैज्ञानिक, मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन और एक्सोटिक्स प्रभाग, भा.कृ.अनु.प.–रा.म.आनु.सं.ब्यू., लखनऊ, और डॉ. संतोष एम., उपायुक्त, पशु संगरोध और प्रमाणन सेवाएं, भारत सरकार, नवी मुंबई शामिल थे।

"समुद्री आहार के गुणवत्ता-प्रबंधन और जोखिम-मूल्यांकन में विश्लेषणात्मक उपकरण" पर शीतकालीन स्कूल

भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं., मुंबई के मत्स्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी विभाग ने 08 से 28 जनवरी, 2025 के दौरान "समुद्री आहार के गुणवत्ता-प्रबंधन और जोखिम मूल्यांकन में विश्लेषणात्मक उपकरण" पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित 21 दिवसीय शीतकालीन स्कूल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। यह शीतकालीन स्कूल कार्यक्रम प्रतिभागियों को सूक्ष्मजीवविज्ञानी और जैव रासायनिक समुद्री आहार की गुणवत्ता के विश्लेषण में उपयोग की जाने वाली उन्नत तकनीकों से परिचित कराने के लिए डिज़ाइन किया गया था। कुल 13 प्रशिक्षुओं ने इस व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें जम्मू और कश्मीर, असम, तमिलनाडु और महाराष्ट्र के विभिन्न राज्य कृषि विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के सहायक प्रोफेसर और वैज्ञानिक शामिल थे। आमंत्रित वक्ताओं में प्रो. इद्या करुणासागर, वरिष्ठ अंतरराष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा सलाहकार (एफएओ); प्रो. इंद्राणी करुणासागर, निदेशक (परियोजनाएं और डीएसटी-टीईसी), निट्टे विश्वविद्यालय, मैंगलोर; डॉ. एल. नरसिम्हा मूर्ति, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प.-के.मा.प्रौ.सं., कोच्ची; डॉ. रबी नारायण साहू, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अनु.सं., नई दिल्ली; डॉ. ए. के. बालंगे, प्रधान वैज्ञानिक और अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अनु.सं., असम; डॉ. के.वी. राजेंद्रन, पूर्व प्रधान वैज्ञानिक और विभागाध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं., मुंबई और डॉ. पार्वती ए, प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, समुद्री जीवविज्ञान, कुसाट, कोच्चि शामिल थे।

अनुसंधान सलाहकार समिति 2025

भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई की अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) की बैठक 11-12 मार्च, 2025 के दौरान हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई थी। डॉ. एस. अय्यप्पन पूर्व महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद एवं अनुसंधान सलाहकार समिति के अध्यक्ष; डॉ. जे.के. जेना, उप महानिदेशक (मत्स्य विज्ञान), भा.कृ.अनु.प.; डॉ. सी.एन. रविशंकर, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं.; डॉ. पी.के. मुखोपाध्याय, डॉ. (सुश्री) कृष्णा श्रीनाथ, डॉ. पी. जयशंकर, डॉ. सुधीर रायज़ादा, डॉ. प्रवीण पुत्रा, डॉ. (सुश्री) वी. कृपा, डॉ. एन.पी. साहू, संयुक्त निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं. और डॉ. एस.पी. शुक्ला, सदस्य सचिव (आरएसी); मुख्यालय, मुंबई के साथ-साथ क्षेत्रीय केंद्रों अर्थात, कोलकाता, रोहतक, पोवारखेड़ा, मोतीपुर और काकीनाडा के प्रभागों के प्रमुख और वैज्ञानिकों ने व्यक्तिगत रूप से या आभासी मोड में बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान मुख्यालय के प्रभागों के प्रमुखों और क्षेत्रीय केंद्रों के वैज्ञानिक प्रभारियों द्वारा दी गई प्रस्तुतियों में मौजूदा शोध गतिविधियों, सहयोगों के साथ-साथ शिक्षण और प्रशिक्षण गतिविधियों और संबंधित पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। प्रत्येक प्रस्तुति पर अनुसंधान सलाहकार समिति द्वारा दिए गए सुझावों को आगे की कार्रवाई के लिए नोट किया गया। अनुसंधान सलाहकार समिति ने संस्थान के आगामी संस्थान अनुसंधान परिषद में विचार के लिए नई अवधारणा संबंधी टिप्पणियों पर बहुमूल्य सुझाव भी दिए।

मत्स्य जैव प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

भा.कृ.अनु.प. -केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई ने भारतीय मात्स्यिकी संघ (आईएफए), मुंबई के सहयोग से 17 से 18 मार्च 2025 तक मत्स्य जैव प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन का विषय 'वैकल्पिक प्रोटीन, संवर्धित समुद्री आहार और नीली क्रांति के लिए जैव प्रौद्योगिकी' था। उद्घाटन समारोह में डॉ. राघवेंद्र भट्ट, उप महानिदेशक (पशु विज्ञान) ने वैज्ञानिक समुदाय और क्षेत्र के अन्य हितधारकों के बीच उपयोगी वैज्ञानिक विचार-विमर्श और बातचीत के लिए एक मंच प्रदान करने में सम्मेलन के महत्व पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि और राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी के सचिव डॉ. डब्ल्यू. एस. लाकड़ा ने देश के मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र के विकास में मछली जैवप्रौद्योगिकी अनुसंधान के महत्व पर बल दिया। सम्मेलन में कनाडा, जापान, नीदरलैंड, सिंगापुर और अमेरिका जैसे देशों के प्रख्यात वैज्ञानिकों और भारत से आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी मद्रास, आईआईटी गुवाहाटी, सीसीएमबी हैदराबाद, आईआईएससी बेंगलुरु, एनआईओ गोवा, सीएमएलआरआई कोच्चि, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय छत्रपति संभाजीनगर, गुजरात जैव प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गांधीनगर, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी और आईसीएआर और अन्य प्रसिद्ध भारतीय शोध संस्थानों और विश्वविद्यालयों के छात्र शोधकर्ताओं, राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड, जैवप्रौद्योगिकी विभाग के प्रतिनिधियों और मेसर्स हायमीडिया लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई, मेसर्स मायोवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई और मेसर्स नीट मीट, प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद जैसे उद्योगों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

"आईएस 15000 (एचएसीसीपी) और आईएस 2491: खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण

भारतीय मानक ब्यूरो, नई दिल्ली ने भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं., मुंबई के सहयोग से "आईएस 15000 (एचएसीसीपी) और आईएस 2491: खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता के लिए व्यापक दृष्टिकोण" विषय पर दिनांक 24 फरवरी 2025 को भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं., मुंबई में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। डॉ. रविशंकर सी.एन., निदेशक और कुलपति, भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं., मुंबई और बीआईएस की एफएडी 15 अनुभागीय समिति के अध्यक्ष ने खाद्य सुरक्षा मानकों के निर्माण और कार्यान्वयन के महत्व पर जोर दिया। उद्घाटन भाषण सुश्री लविका सिंह, वैज्ञानिक-सी/उप निदेशक बीआईएस ने दिया, जिन्होंने बीआईएस पहलों का संक्षिप्त विवरण दिया। डॉ. बी.बी. नायक, विभागाध्यक्ष, एफ आर एच पी एच एम विभाग और बीआईएस की एफएडी 12 अनुभागीय समिति के पैनल सदस्य ने मछली और मत्स्य उत्पादों के लिए विशिष्ट मानकों पर बात की। खाद्य श्रृंखला आईडी की प्रबंध निदेशक सुश्री चिन्मयी देउलगांवकर द्वारा "आईएस 15000 (एचएसीसीपी): सिद्धांत, कार्यान्वयन एवं सर्वोत्तम विधि" पर तथा नियामक मैरिको लिमिटेड के प्रमुख डॉ. प्रबोध हल्दे द्वारा "खाद्य स्वच्छता के लिए सामान्य सिद्धांत को समझना: आईएस 2491" पर चर्चा की गई। सेमिनार का समापन "मानकीकरण के माध्यम से खाद्य सुरक्षा ढांचे को मजबूत करना" पर एक पैनल चर्चा के साथ हुआ, जिसमें शिक्षाविदों का प्रतिनिधित्व करने वाले तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. आर. विश्वनाथन, समुद्री खाद्य उद्योग से डॉ. नितिन वाघ और उपभोक्ता संगठन का प्रतिनिधित्व करने वाले कंज्यूमर वॉयस, नई दिल्ली से श्री हरबंस वाधवा सहित प्रतिष्ठित पैनलिस्टों ने उपभोक्ताओं के लाभ के लिए खाद्य सुरक्षा नियमों के मानकीकरण पर उपयोगी विचार-विमर्श में भाग लिया।

स्नातक छात्रों से मत्स्य पालन भू-राजनीति पर शोध करने का आग्रह

दिनांक 10 मार्च 2025 को भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं., मुंबई में मत्स्य पालन पर एक प्रेरक संवाद श्रृंखला, 'संवाद करो एवं विजेता बनो', के शुभारंभ समारोह के दौरान एक पैनल चर्चा आयोजित की गई। भारतीय मत्स्य संघ और स्नातकोत्तर स्कूल छात्र संघ द्वारा परिकल्पित इस श्रृंखला का उद्देश्य भारतीय और वैश्विक मत्स्य पालन के प्रेरकों को शामिल करना है ताकि मत्स्य पालन पेशेवरों और विद्वानों की अगली पीढ़ी को प्रबुद्ध और प्रेरित किया जा सके। डॉ. पी. कृष्णन, निदेशक, बीओबीपी-आईजीओ और संस्थान के पूर्व छात्र ने मत्स्य प्रबंधन में मिथकों को तोड़ना और दृष्टिकोण-निर्माण पर एक विचारोत्तेजक सत्र दिया। राजदूत सीएसआर राम, संयुक्त सचिव (बिम्सटेक और सार्क), विदेश मंत्रालय, भारत सरकार ने हिंद महासागर क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग के महत्व पर बल दिया। उन्होंने मत्स्य विकास और सहयोग के नए रास्ते तलाशने के लिए क्षेत्रीय स्तर पर विविध हितधारकों को एक साथ लाने में बिमरेन (बिम्सटेक-भारत समुद्री अनुसंधान नेटवर्क) की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने ज्ञान के आदान-प्रदान की संभावना पर ज़ोर दिया, जिसका भारत में मत्स्य पालन अध्ययन में विदेशी छात्रों के लिए अवसर पैदा करके दुनिया भर में मत्स्य विज्ञान और प्रबंधन पर स्थायी प्रभाव पड़ेगा।

76वां गणतंत्र दिवस समारोह

भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं., मुंबई ने भारत का 76वां गणतंत्र दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक एवं कुलपति डॉ. रविशंकर सी.एन. ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा भारत को एक संप्रभु गणराज्य बनाने के लिए हमारे पूर्वजों द्वारा किए गए बलिदानों को याद किया तथा विकसित भारत की अवधारणा में भारत की नवीनतम प्रगति पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (पशु विज्ञान) डॉ. राघवेंद्र भट्टा, संयुक्त निदेशक डॉ. एन.पी. साहू, विभिन्न प्रभागों के अध्यक्ष, वैज्ञानिक, अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा विद्यार्थी एवं प्रशिक्षु भी समारोह में शामिल हुए।

'आणविक वर्गीकरण और डीएनए बारकोड' पर प्रशिक्षण

मत्स्य संसाधन प्रबंधन विभाग, भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं., मुंबई द्वारा दिनांक 20 से 27 जनवरी 2025 तक मुंबई में 'आणविक वर्गीकरण और डीएनए बारकोड' पर एक अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रजातियों के प्रमाणीकरण में आणविक वर्गीकरण के महत्व और अवलोकन प्रदान करना, समुद्री आहार के गलत लेबलिंग को रोकना और मछली के अवैध, अप्रतिबंधित और अनियमित प्रग्रहण का मुकाबला करना है। भा.कृ.अनु.प.- भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हिसार), केरल मत्स्य पालन और महासागर विज्ञान विश्वविद्यालय (केयूएफओएस), मीठीबाई कॉलेज (मुंबई) और भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (लखनऊ) सहित विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से कुल 20 प्रतिभागियों (13 महिलाएं और 9 पुरुष) ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया।

डॉ. एस.एन. द्विवेदी जलकृषि परिसर का उद्घाटन

भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई के जलकृषि प्रभाग के डॉ. एस.एन. द्विवेदी जलकृषि परिसर का औपचारिक उद्घाटन 8 मार्च, 2025 को श्री जॉर्ज कुरियन, माननीय केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी, तथा अल्पसंख्यक कार्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा किया गया। इस परिसर में 39 एक्वेरियम, अत्याधुनिक प्रायोगिक वेटलैब सहित नवीन सुविधाएँ, एक समर्पित सजावटी मछली प्रजनन इकाई, पुन:संचरित जलकृषि प्रणालियाँ, दो एक्वापोनिक्स इकाइयाँ, एक बायोफ्लोक प्रणाली, दो बाह्य मछली पालन सुविधाएँ तथा मछली पकड़ने का एक स्थल शामिल हैं, जो इसे शिक्षा, अनुसंधान और जनभागीदारी का एक बहु-आयामी केंद्र बनाते हैं।

हिंदी कार्यशाला

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान में मंगलवार दिनांक 25 मार्च 2025 को मुख्यालय एवं उपकेन्द्रों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु "मानक वर्तनी एवं पारिभाषिक शब्दावली" विषय पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यशाला में संस्थान व उपकेन्द्रों से 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें 16 अधिकारी एवं 8 कर्मचारी उपस्थित थे । श्री संजय बोकोलिया, संयुक्त निदेशक (प्रशा.) एवं वरिष्ठ कुलसचिव ने अपने उद्बोधन में सभी अधिकारियों / कर्मचारियों से यह कहा कि राजभाषा दिशा-निर्देशों के अनुसार हमारा संस्थान "ख" क्षेत्र के अंतर्गत आता है इसलिए हमें 90% कार्य हिन्दी में करना है और सभी अधिकारी/कर्मचरी मन लगाकर कार्य उसके अनुरूप करेंगे तो हिन्दी का प्रचार-प्रसार को बढ़ावा मिलेगा । अतिथि वक्ता श्रीमती गार्गी गाडगील, सहायक निदेशक एवं कार्यालय अध्यक्ष, केन्द्रीय हिन्दी शिक्षण योजना ने सत्र प्रारंभ करते हुए अपने व्याख्यान में मानक वर्तनी, व्यंजन, स्वर, कारक चिह्नों, तत्सम शब्दों एवं विदेशी शब्दों का हिन्दी में प्रयोग आदि पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से आग्रह किया कि अपने कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करें ताकि राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति हो सके।

मछली बाज़ार में स्वच्छता कार्यक्रम

भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं., मुंबई ने 15 से 19 फरवरी, 2025 के दौरान नई दिल्ली के दो प्रमुख मछली बाज़ारों और कानपुर के तीन मछली बाज़ारों में "स्वच्छता कार्यक्रम" का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह पहल भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित "स्वच्छता कार्य योजना और शहरी मछली बाज़ारों में मछली अपशिष्ट का वाणिज्यिक उपयोग" नामक परियोजना का हिस्सा थी। इस कार्यक्रम ने भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं., मुंबई और स्थानीय मछली बाजार हितधारकों के बीच सहयोग को सफलतापूर्वक बढ़ावा दिया, जिससे शहरी मछली बाजारों में स्वच्छता और टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन के महत्व को बल मिला।

जागरूकता कार्यक्रम

संस्थान द्वारा जनवरी-मार्च 2025 के दौरान निम्नलिखित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए:

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	तिथि	लाभार्थी
1.	"महीने का अंतिम वृहस्पतिवार: मन की बात मत्स्य किसानों के साथ" कार्यक्रम के तहत जलकृषि में मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन का महत्व"	30 जनवरी 2025	विभिन्न राज्यों के किसान
2.	आरआरटीसी, मोतीपुर में कृषि व्यवसाय इनक्युबेशन केंद्र के तहत जागरूकता कार्यक्रम	21 फरवरी 2025	किसान एवं अन्य साझेदार
3.	"राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-2025 के दौरान बौद्धिक संपदा अधिकार के बारे में जागरूकता कार्यक्रम	28 फरवरी 2025	भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं. के छात्र एवं संकाय सदस्य
4.	समुद्र स्वाद-2025	02 मार्च 2025	स्वयं सहायता समूह के सदस्य एवं अन्य साझेदार

प्रदर्शनी एवं सीफुड फेस्टिवल में प्रतिभागिता

संस्थान ने जनवरी-मार्च 2025 के दौरान निम्नलिखित प्रदर्शनी एवं सीफुड फेस्टिवल में भाग लिया:

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि
1.	वेसावा कोली समुद्री आहार महोत्सव, वर्सोवा, मुंबई	10-12 जनवरी 2025
2.	जुहू कोलीवाड़ा सीफूड फेस्टिवल, सांताक्रूज़, मुंबई	08-09 फरवरी 2025
3.	"एडवांटेज विदर्भ-खासदार औद्योगिक महोत्सव" - विदर्भ एडवांटेज मेगा इंडस्ट्रियल एक्सपो बिजनेस और निवेश कॉनक्लेव, नागपुर	07-09 फरवरी 2025
4.	"एशिया-प्रशांत में ब्लू ग्रोथ को हरित बनाना" विषय पर 14वां एशियाई मत्स्य पालन और जलीय कृषि फोरम	12-15 फरवरी 2025

उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र/अनुसूचित जाति उप-योजना/जनजातीय उप-योजना

क्र. सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम का विषय	एससीएसपी/ टीएसपी/ एनईएच	अवधि	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	"एकीकृत बहु-पोषी जलीय कृषि (आईएमटीए) मॉडल" पर प्रशिक्षण-सह-प्रदर्शन कार्यक्रम	टीएसपी	23-25 जनवरी, 2025	डोरवा कुंडवा गाँव, हज़ारीबाग जिला, झारखण्ड	80
2.	"एकीकृत मछली पालन के वैज्ञानिक तरीके"	एससीएसपी	03 फरवरी, 2025	पुथिमारी गाँव, मोइराम्बिता शुभा, बजली, असम	300
3.	"झींगा/मछली का अचार तैयार करना"	टीएसपी	04–06 फरवरी, 2025	कोलोरियांग	25
4.	"मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन"	एससीएसपी	27 फरवरी - 01 मार्च , 2025	फरहादा, मुंगेली जिला, छत्तीसगढ़	30
5.	गोमती जिले में छोटे जल निकायों में आजीविका में सुधार के लिए मागुर की खेती	एनईएच	24 मार्च, 2025	कृषि विज्ञान केंद्र, गोमती, त्रिपुरा	50
6.	"मछली पकड़ने की टिकाऊ तकनीक में कौशल विकास के माध्यम से जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाना"	टीएसपी	19 मार्च, 2025	धारावी जनजातीय ग्राम सोसाइटी, मढ, मुंबई	51
7.	"जलकृषि में सर्वोत्तम प्रबंधन पद्धतियों	एससीएसपी के तहत मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन"	20-21 मार्च, 2025	गया, जिला, बिहार	35
8.	आनुवंशिक रूप से उन्नत मत्स्य प्रजातियों का पालन	टीएसपी	24-25 मार्च, 2025	नवापुर, नंदुरबार	98

सार्वजनिक तौर पर बंशी से मछली पकड़ने की सुविधा का प्रारेभ

श्री जॉर्ज कुरियन, माननीय केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन, डेयरी एवं अल्पसंख्यक मामला राज्य मंत्री, भारत सरकार का मत्स्य संग्रहालय का दौरा

इस तिमाही के सर्वश्रेष्ठ प्रकाशन

थापा, अभिलाष, नेहा डब्ल्यु. खुरेशी, पी.एस. अनंतन, डिबाकर भक्त एण्ड पियाशी देबरॉय। नॉन-कंसम्प्टिव वैल्यु ऑफ हिलसा फिशरी रिस्टोरेशन इन वेस्ट बंगाल, इंडिया: एन एप्लिकेशन ऑफ कंटिजेंट वेल्युएशन मेथड। जर्नल ऑफ एनवायोर्नमेंटल मैनेजमेंट 373 (2025): 124016. (इम्पेक्ट फैक्टर 8.4)

दाश, आर.के., कुमार, के., शुक्ला, एस.पी., कुमार, एस., कर्माकर, एस. और पॉल, टी., 2025. इफेक्ट ऑफ ट्राइक्लोसन ऑन फॉस्फेट सोल्युबिलाइसिंग बैक्टीरिया इन मैंग्रोव इकोसिस्टम: इन-विट्रो एण्ड इन-विवो । जर्नल ऑफ हज़ार्डस मेटीरियल्स लेटर्स, 2025 जनवरी 6, पृष्ठ 100136. (इम्पेक्ट फैक्टर 8.1)

भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं., मुंबई द्वारा मीठे पानी की कैट फिश के पालन के लिए आहार का विकास और एम.एम. फिश सीड कल्टीवेशन प्राइवेट लिमिटेड को इस तकनीक का हस्तांतरण।

भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं., मुंबई और एम.एम. फिश सीड कल्टीवेशन प्राइवेट लिमिटेड, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के बीच 06 फरवरी 2025 को पांच साल की अवधि के लिए गैर-अनन्य आधार पर सीआईएफई-पंगासशक्ति, जो मीठे पानी की कैटफिश, पंगसियानोडोन हाइपोफथाल्मस के लिए विशेष रूप से विकसित आहार है, के व्यावसायीकरण के लिए एक समझौता ज्ञापन।

पुरस्कार/मान्यता

- डॉ. देबजीत शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, जलीय कृषि प्रभाग ने 10-11 मार्च, 2025 को बिम्सटेक-भारत समुद्री अनुसंधान नेटवर्क (BIMReN) की वार्षिक समीक्षा बैठक में सदस्य के रूप में कार्य किया।
- डॉ. देबजीत शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, जलीय कृषि प्रभाग, ने जर्नल ऑफ एप्लाइड इचथियोलॉजी के "जलीय कृषि और प्रजाति विविधीकरण में प्रगति" पर विशेष अंक के मुख्य संपादक के रूप में, जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिपोर्ट्स के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में, जर्नल ऑफ इंडियन इकोलॉजिकल सोसाइटी के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में, जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल बायोलॉजी के सलाहकार संपादक के रूप में कार्य किया।

आमंत्रित वक्ता:

- डॉ. एन.पी. साहू, निदेशक (कार्यवाहक) ने 20-22 जनवरी 2025 के दौरान नागपुर पशु चिकित्सा महाविद्यालय, नागपुर में आयोजित विश्व पशु पोषण सम्मेलन-2025 में "मछली पोषण नवाचार: आजीविका, खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए जलवायु-अनुकूल जलीय कृषि का मार्ग" पर मुख्य अभिभाषण दिया।
- डॉ. देबजीत शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक और अध्यक्ष, जलकृषि प्रभाग ने दिनांक 28 जनवरी-4 फरवरी, 2025 के दौरान असम में आयोजित असम साहित्य सभा के 77वें बजाली अधिवेशन में मुख्य व्याख्यान दिया।
- डॉ. नेहा डब्ल्यू. खुरेशी, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर के मात्स्यिकी संकाय द्वारा दिनांक 17-18 मार्च 2025 के दौरान "शोधकर्ताओं को सशक्त बनाना: शोध पद्धति पर एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम" विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में, "सांख्यिकी में कम क्षमता वाले समूह: पैरामीट्रिक और गैर-पैरामीट्रिक परीक्षणों को समझना" विषय पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. नेहा डब्ल्यू. खुरेशी को दिनांक 11-15 फ़रवरी 2025 के दौरान नई दिल्ली, भारत में व्यवहारिक आर्थिक मूल्यांकन के लिए अनुसंधान उपकरणों पर एशियाई मत्स्य पालन सामाजिक विज्ञान नेटवर्क द्वारा "मात्स्यिकी सामाजिक विज्ञान अनुसंधान विधियाँ" पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान देने के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।
- डॉ. मंजूषा एल., वरिष्ठ वैज्ञानिक और डॉ. सौरव कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक को भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, सीबीडी बेलापुर, नवी मुंबई द्वारा दिनांक 25 मार्च 2025 को "वृत्ताकार जैव-अर्थव्यवस्था की ओर- मूल्य से अपशिष्ट का निष्कर्षण" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया और उन्होंने व्याख्यान भी दिया।

प्रशासन

स्थानांतरण & कार्यग्रहण

क्र.सं.	अधिकारी का नाम	पदनाम	कहां से	कहां के लिए	तिथि
1.	श्री संजय बोकोलिया	संयुक्त निदेशक (प्रशा.) एवं वरिष्ठ कुलसचिव	भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां. अनु.सं., नई दिल्ली	भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं., मुंबई	20 फरवरी 2025
2.	श्री के.एल. मीणा	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (वरिष्ठ श्रेणी)	भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं., मुंबई	भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय, नई दिल्ली	17 फरवरी 2025
3.	श्री नवीन कुमार	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी	भा.कृ.अनु.प.-के.क.प्रौ.अनु.सं., मुंबई	भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं., मुंबई	06 जनवरी 2025
4.	डॉ. विमल कुमार यादव	वरिष्ठ वैज्ञानिक	भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं., मुंबई	भा.कृ.अनु.प.-स.अनु.नि.,भरतपुर	17 जनवरी 2025
5.	डॉ. पंकज कुमार	वैज्ञानिक	भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं., रोहतक केंद्र	भा.कृ.अनु.प.-के.शी.मा.सं., मुंबई	10 जनवरी 2025

पदोन्नति

क्र.सं.	नाम व पदनाम	पदोन्नत पद	पदोन्नति की तारीख
1.	श्रीमती पूनम बेहल, प्रशासनिक अधिकारी	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी	01 जनवरी 2025
2.	श्री शैलेश वी. कसबे, वित्त एवं लेखा अधिकारी	वरिष्ठ वित्त एवं लेखा अधिकारी	01 जनवरी 2025
3.	श्री भारत पी. चौहान, सहायक	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	01 जनवरी 2025
4.	श्री नंदू एल. घाने, सहायक,	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	01 जनवरी 2025
5.	श्रीमती चैताली राऊत, अवर श्रेणी लिपिक	सहायक	01 जनवरी 2025
6.	श्रीमती रमामनी, अवर श्रेणी लिपिक	सहायक	01 जनवरी 2025
7.	श्रीमती रेखा नायर, सहायक मुख्य तकनीकी	अधिकारी मुख्य तकनीकी अधिकारी	28 जून 2024
8.	श्री संजीवन कुमार, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी	26 मई 2021
9.	श्री सहदेव मैती, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी	22 मार्च 2024

Superannuation

क्र.सं.	नाम व पदनाम	सेवानिवृत्ति की तारीख
1.	श्री तपस कुमार घोष, तकनीकी अधिकारी	22 फरवरी 2025

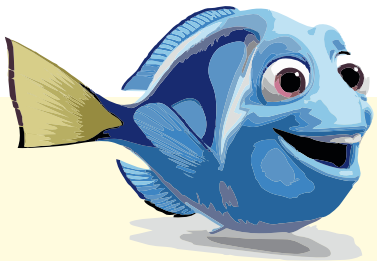

प्रश्नोत्तरी

एनिमेटेड फिल्म "फाइंडिंग निमो" के पात्र "डोरी" द्वारा प्रसिद्ध हुई मछली का नाम

(अपना उत्तर mdarpan@cife.edu.in पर भेजें; सबसे पहले सही उत्तर भेजने वाले व्यक्ति का नाम 'मत्स्य दर्पण' के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा)

प्रकाशक

डॉ. रविशंकर सी.एन.
निदेशक एवं कुलपति
भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुम्बई

संपादक मण्डल

डॉ. सौरव कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक
डॉ. दयाल देवदास, वैज्ञानिक
श्री जगदीशन ए.के., संयुक्त निदेशक (राजभाषा)
श्री प्रताप कुमार दास, मुख्य तकनीकी अधिकारी
श्रीमती रेखा नायर, मुख्य तकनीकी अधिकारी

ग्राफिक डिज़ाइन

डॉ. दासारी भूमैया, मुख्य तकनीकी अधिकारी

संपर्क सूत्र

निदेशक एवं कुलपति
भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान
ऑफ यारी रोड, वर्सोवा, अधेरी, मुम्बई – 400061
दूरभाष : +91-22-26361446/7/8
ईमेल : director@cife.edu.in
वेबसाइट : https://www.cife.edu.in